महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

सामाजिक न्याय और थर्ड जेंडर पर गोष्ठी आयोजित

थर्ड जेंडर के प्रति सामाजिक भेदभाव खत्म हो -रवीना बरिहा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में संचालित महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के अंतर्गत शोध-वार्ता की पहली कड़ी में समाजिक न्याय और थर्ड जेंडर विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रमुख वक्ता के रूप में थर्ड जेंडर वेलफेयर बोर्ड छत्तीसगढ़ की सदस्य एवं 'छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति' की सचिव रवीना बरिहा, रायपुर और थर्ड जेंडर वेलफेयर बोर्ड, छत्तीसगढ़ एवं 'छत्तीसगढ़ मितवा संकल्प समिति' रायपुर की अध्यक्ष विद्या राजपूत उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. देवराज ने की।

इस कार्यक्रम में रवीना बरिहा ने कहा कि हम ज्ञान के सीमित दायरे में रहते हैं। आज समाज सिर्फ स्त्री और पुरुष के रूप में बंटा है यहाँ थर्ड जेंडर के अस्तित्व को नहीं माना जाता। आने वाले समय में थर्ड जेंडर समाज के लोग सभी दायरों को तोड़ सकते हैं। इतिहास की साक्ष्य देते हुए उन्होंने कहा कि हमारा अस्तित्व तो प्राचीन समय से ही रहा है लेकिन आज भी हमारे लिए इस समाज में कोई जगह नहीं है। वात्सायन के कामसूत्र में ग्यारहवाँ अध्याय तृतीय पंथी पर ही लिखा गया है बावजूद इसके जिस उम्र में हमारे लिए घर का दरवाजा खुलना चाहिए उस समय में दरवाजा तो खुलता है लेकिन, बाहर के लिए ऐसा क्यों? जिस उम्र में हमें अपनों का प्यार मिलना चाहिए। उस उम्र में हमें दुत्कार और सामाजिक भेदभाव का सामना करना पडता है।

विद्या राजपूत का कहना था कि आखिर हम समाज को क्यों नहीं दिखाई देते? बचपन से हमारे मन में घाव बनते हैं। हमें इस समाज में शारीरिक, मानसिक पीड़ा से गुजरना पड़ता है। हमारी किसी भी

आवश्यकता की पूर्ति इस समाज द्वारा नहीं की जाती है। आर्थिक रूप से कमजोर होने के करण ही भिक्षावृत्ति एवं वेश्यावृत्ति के सिवाय हमारे सामने कोई विकल्प नहीं होते। 2009 में इन्होंने छत्तीसगढ़ में तृतीय पंथियों के कल्याण के लिए मितवा संकल्प समिति स्थापित की। यह संस्था विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से तृतीय पंथियों की समस्याओं की वकालत कर रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण हमें ट्रेनों में या घर-घर जा कर नाच गाना करना पड़ता है।

अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. देवराज ने कहा कि इनके वक्तव्यों को सुनकर संवेदना नहीं बल्कि मस्तिष्क में आक्रोश और नए विचार उत्पन्न होने चाहिए। प्राचीन काल से हम उन्हें स्वीकार करने में असफल रहे हैं। समाज का कोई भी वर्ग छोटा हो या बड़ा जब तक हम उसे स्वीकार नहीं करते तब तक हम विकास नहीं कर सकते। कार्यक्रम में आभार वक्तव्य महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने दिया। सूत्र संचालन डॉ. शिव सिंह बघेल ने किया। विषय प्रवेश एवं परिचय डिसेंट कुमार साहू ने किया। कार्यक्रम में समाज कार्य तथा अन्य विभागों के शिक्षक शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम के आयोजन में नरेंद्र दिवाकर, गजानन, शिवाजी एवं नरेश गौतम शामिल थे।